हिन्दी

कक्षा 1

सत्र 2019–20

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

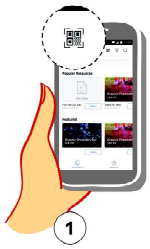

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

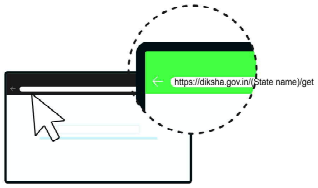

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

2RTLXH

प्रकाशन वर्ष – 2019

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के. वर्मा

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखन–समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्री, श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं रिमझिम–1 एन.सी.आर.टी. हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

कक्षा पहली की पाठ्यपुस्तक के शुरू में बाल–गीत दिए गए हैं। इनका उपयोग कक्षा में हाव–भाव के साथ गाने के लिए किया जाना है और पढ़ने की शुरूआत के लिए भी। बच्चे बालगीत व बाद में कविताओं को भी कक्षा में सुनाएँ व गाएँ। यह अच्छा होगा कि यदि इस तरह के अन्य गीत भी कक्षा में गाए जाएँ व उनमें बार–बार आनेवाले कुछ वाक्यों को बोर्ड पर लिखा जाए। चित्रों पर बच्चे आपस में चर्चा करें व बताएँ कि उनमें क्या देख पा रहे हैं।

इन गीतों व पुस्तक के अन्य पाठों की सामग्री का उपयोग बच्चों के लिए पढ़ना सीखने के अभ्यास के रूप में करें। बच्चे बताए गए शब्दों को पहचान कर उन्हें पट्टी पर लिखें, उन पर गोला लगाएँ या उन्हें रेखांकित करें। वे सुनाई गई अथवा बोर्ड पर लिखी पाठ की लाइन को पहचानें व उसे सुनाएँ। समूहों में भी वह पाठ में शब्दों को एक–दूसरे को पहचानने को कहें। इस तरह के कई अभ्यास बच्चे खुद करें।

इनके अलावा वर्ण पहचानने व उन पर गोला लगवाने के अभ्यास भी करवाएँ। पढ़ना सीखने के लिए पाठ्य सामग्री चाहे वह पुस्तक में हो अथवा श्याम पट्ट पर इंगित हिस्से यथा–वाक्य, शब्द अथवा वर्ण को पहचानने का अभ्यास बच्चे करें।

कक्षा एक में हिन्दी भाषा के मुख्य उद्देश्य हैं :

1. बच्चों में खुलकर विचार व्यक्त करने की हिम्मत व क्षमता विकसित करना। इसके लिए उन्हें कविता/गीत गाने व उसके साथ हाव–भाव करने के अलावा कहानी सुनने–सुनाने के मौके चाहिए। वे अपने बारे में, अपने अनुभव के बारे में कक्षा में अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त करें। वे पाठ सामग्री के बारे में भी अपने विचार व्यक्त करें और यह भी व्यक्त करें कि उन्हें पाठ से क्या समझ में आया है। ऐसा वे बड़े समूह में भी करें व छोटे समूह में भी।
2. दूसरा प्रमुख बिन्दु है बात समझना, अपनी समझ को गहरा बनाना और विश्लेषण करके नए विचार पैदा करना। इसके लिए कई चीजें करवा सकते हैं। जिनमें से एक हिस्सा बिन्दु क्रमांक 1 में है। इसके अलावा सामग्री को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना, अभिनय द्वारा समूह में प्रस्तुत करना जैसे अन्य कई तरीके हो सकते हैं। इसलिए भाषा की समझ को बेहतर करने के साथ–साथ स्कूल व कक्षा से भय हटाने के लिए बाल–गीतों व अन्य पाठों को भी बच्चों से कक्षा में हाव–भाव व अभिनय द्वारा प्रस्तुत करवाएँ।
3. तीसरा प्रमुख उद्देश्य है पढ़ना सीखना व उसका अभ्यास करना। इसके लिए कई तरह के अभ्यास जिनमें वाक्य, शब्द व वर्ण पहचानना तीनों शामिल हैं, करवाएँ। इसके भी कई तरीके हो सकते हैं। वर्ण मात्र पढ़वाने पर ज़ोर देने से पढ़ना सीखना आसान नहीं होता। बच्चों को अर्थपूर्ण सामग्री को पढ़ने के अधिक–से–अधिक मौके चाहिए। सीखते समय बच्चे कई ढंग इस्तेमाल करते हैं; गलतियाँ भी करते हैं; यही धीरे–धीरे उसे ध्वनि व लिपि में सम्बन्ध जोड़ कर पढ़ने में सक्षम बनाती हैं।

अब इनको किताब के संदर्भ में देखें :

(क) उदाहरण के लिए बालगीत 3 ''चूहो! म्याऊँ सो रही है'' को ले–

1. शिक्षक इस गीत हाव–भाव के साथ कई बार सुनाये फिर बच्चों को पृथक–पृथक एवं सामूहिक रूप से अभिनय के साथ गाने के लिए कहें।
2. बच्चों से यह पूछा जाए कि कविता में चूहे और बिल्ली के बारे में क्या–क्या बताया गया है।
3. चूहों और बिल्ली से संबंधित चर्चा कर उनके अनुभव पूछे।
4. कविता में दिए गए मूर्त शब्दों के कार्ड बना कर रखे जाएँ और बच्चे छोटे समूह में या अकेले–अकेले

एक – कार्ड उठाएँ और उस पर लिखे नाम को पहचान कर लिखने कहे।

5. इस बालगीत को श्याम–पट्ट पर लिखें और अँगुली रख–रख कर पढ़ें। फिर बच्चों से भी अँगुली रख–रखकर गाने को कहें।

6. श्यामपट्ट पर लिखी व किताब में से बच्चों को बोले गए वाक्य अथवा शब्द को पहचानने को कहें। यह स्पष्ट है कि यहाँ हम वर्णों की पहचान से पहले लिखे हुए पूरे शब्द के आकार को पहचानने (पढ़ने) की बात कर रहे हैं।

इसी प्रकार सभी बाल–गीतों के साथ करें। प्रत्येक को कई बार साथ गाने के बाद इसी तरह के अभ्यास करवाएँ।

(ख) पाठ 5 गमला शीर्षक से है।

1. इस पाठ की सामग्री में अंतिम ध्वनि एक–सी होने से इसे गाया जा सकता है। इस तरह की सामग्री लगभग सभी पाठों में है। इस पाठ व अन्य पाठों को आप दो–तीन बार अलग–अलग समय उपयोग करें। शुरू में इसे सिर्फ गाया जाए और इसमें दिए शब्दों व उसमें आए वर्णों पर विशेष जोर दिया जाए (जिनके चित्र बने हुए हैं। चित्र के पास संबंधित शब्द लिखा गया है। इन शब्दों का उच्चारण करते समय जो ध्वनियाँ निकलती हैं उन्हें अलग–अलग करके डिब्बों में लिखा गया है। ध्वनियों के माध्यम से वर्णों का परिचय कराएँ।)। इनमें से कुछ शब्द अन्य शब्दों के साथ मिलाकर श्यामपट्ट पर लिखें व बच्चों से किसी विशेष शब्द को पहचानने को कहें। इसी तरह किसी विशेष वर्ण, जैसे ग, म, न, र पर गोला लगवाएँ।

2. इसके बाद उन्हें इनमें से कुछ वर्ण पहचानने व लिखने का अभ्यास पाठ में दिए सुझावों के अनुसार करवाएँ। किताब में दिए गए अभ्यास उदाहरण स्वरूप हैं, यह पर्याप्त नहीं है। आप पट्टी पर, कॉपी में, धूल पर या और कहीं लिखने के अभ्यास करवाएँ। इसी तरह श्याम पट्ट पर शब्द लिख कर उनमें बताए गए वर्ण को ढूँढने का प्रयास करवाएँ।

3. चार–पाँच पाठ करवाने के बाद वापस बाल–गीतों पर आएँ। अब बच्चों से शब्द व वाक्य लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके अलावा अब इनमें आए शब्दों व वर्णों को पहचानने का अभ्यास करवाएँ। किताब के सभी शब्दों के कार्ड बना कर उनमें से निश्चित शब्द छाँटने को दें। फिर उनसे निश्चित वर्ण यथा ग, म, न, र, आदि वाले कार्डों को भी छँटवाएँ।

4. दूसरे चक्र में इन वर्णों से नए शब्द सोचने का अभ्यास बच्चों को करवाएँ। इसके लिए बच्चों को समूह में बाँटकर हर समूह को बारी–बारी से चुने गए वर्ण वाले शब्द को बोलना है। जोश दिलाने के लिए इस पर अंक रख कर खेल भी बना सकते हैं। बच्चों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें जिससे सभी को मौका मिले न कि कुछेक बच्चे ही समूह की ओर से बार–बार बताते रहें।

5. इस समय बच्चों से वाक्य, शब्द, वर्ण लिखने व पहचानने का अभ्यास करवाना होगा।

6. कुल मिलाकर बात यह है कि पाठ्य सामग्री का उपयोग बच्चों को सक्षम बनाने के लिए करें। पाठ्यसामग्री समझाने, प्रश्नों के उत्तर याद करवाने से भाषा में क्षमता नहीं बढ़ती। इसलिए आप पाठों का उपयोग 2–3 या अधिक बार कई तरह के अभ्यास करवाने के लिए करें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• चित्र पर चर्चा	i - vi
1.	आम की टोकरी	01–01
2.	चार चने	02–03
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	04–07
4.	पगड़ी	08–11
5.	गमला	12–19
6.	अनार	20–26
7.	राजा आ	27–30
8.	इमली–ईख	31–36
9.	तितली	37–41
10.	उल्लू आया	42–45
11.	लालू और पीलू	46–54
12.	बंदर आया	55–61
13.	मेला	62–67
14.	ओढ़नी	68–70
15.	खिलौनेवाला	71–75
16.	झंडा	76–81
17.	बंदर और गिलहरी	82–86
18.	हलीम चला चाँद पर	87–91
19.	दौड़	92–95
20.	इनको भी जानो	96–105
	परिशिष्ट–विभिन्न भाषाओं में शब्दावली	106–108

यह पुस्तक मेरी है।

टीप :– कुछ पाठों में विभिन्न भाषाओं के भी उल्लेख हैं। शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा के लिए स्थानीय समुदाय का सहयोग लेवें।

FUN WITH
THE ALPHABET
हिन्दी वर्णमाला चार्ट

इस चित्र के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

गतिविधि – 1

नाम

मेरा नाम .....है।

मेरा दोस्त/सहेली का नाम .....है।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक बच्चों के नाम चार्ट बनाकर कक्षा में लायें और बच्चों को उनके नाम के लिखित रूप से परिचय कराएँ तत्पश्चात बच्चों को चार्ट में से अपना नाम ढूँढ़कर अपनी किताब में लिखने को कहें।

गतिविधि – 2

उन चीजों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी कक्षा/आसपास में हैं, जैसे–

चित्र बनाओ

निर्देश :– बच्चे अपनी मनपसंद आकृति यहाँ बनाएँ।

रंगोली बनाओ

निर्देश :– बच्चे बिन्दु डालकर मनपसंद रंगोली बनाकर रंग भरे।

पाठ–1

28ME8I

आम की टोकरी

छह साल की छोकरी,
भरकर लाई टोकरी।
टोकरी में आम हैं,
नहीं बताती दाम है।
दिखा–दिखाकर टोकरी,
हमें बुलाती छोकरी।
हमको देती आम है,
नहीं बताती नाम है।
नाम नहीं अब पूछना,
हमें आम है चूसना।

1. बच्चों से बातचीत करें – क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है? पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं। यदि वह बच्ची/बच्चा स्कूल नहीं जाती/जाता है तो स्कूल में उसका नाम लिखवाने में तुम कैसे मदद करोगे।
2. चित्र में लड़की आम बेचने का अभिनय कर रही है। बच्चों से अलग–अलग चीजों जैसे – आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली,सेब और दवा की गोली खाने का अभिनय करवाएँ।
3. अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें तथा कक्षा में करवाएँ।

28WAA6

2966BT

पाठ–2

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय–टाँय गाता,
टाँय–टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मजा आता।

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या–क्या करवाया जा सकता है?

माली – .....

हलवाई – .....

दीदी – .....

दोस्त – .....

29F2DG

किसने खाया ?

चार चने में से

एक चना .....को खिलाया।

दूसरा चना .....।

तीसरा चना .....।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे ?

.....

.....

29NXF4

पाठ–3

चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे, छत के नीचे,
पाँव पसारे, पूँछ सँवारे।

देखो कोई, मौसी सोई,
नासों में से, साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई, खुली रसोई,
भरे पतीले, चने रसीले।

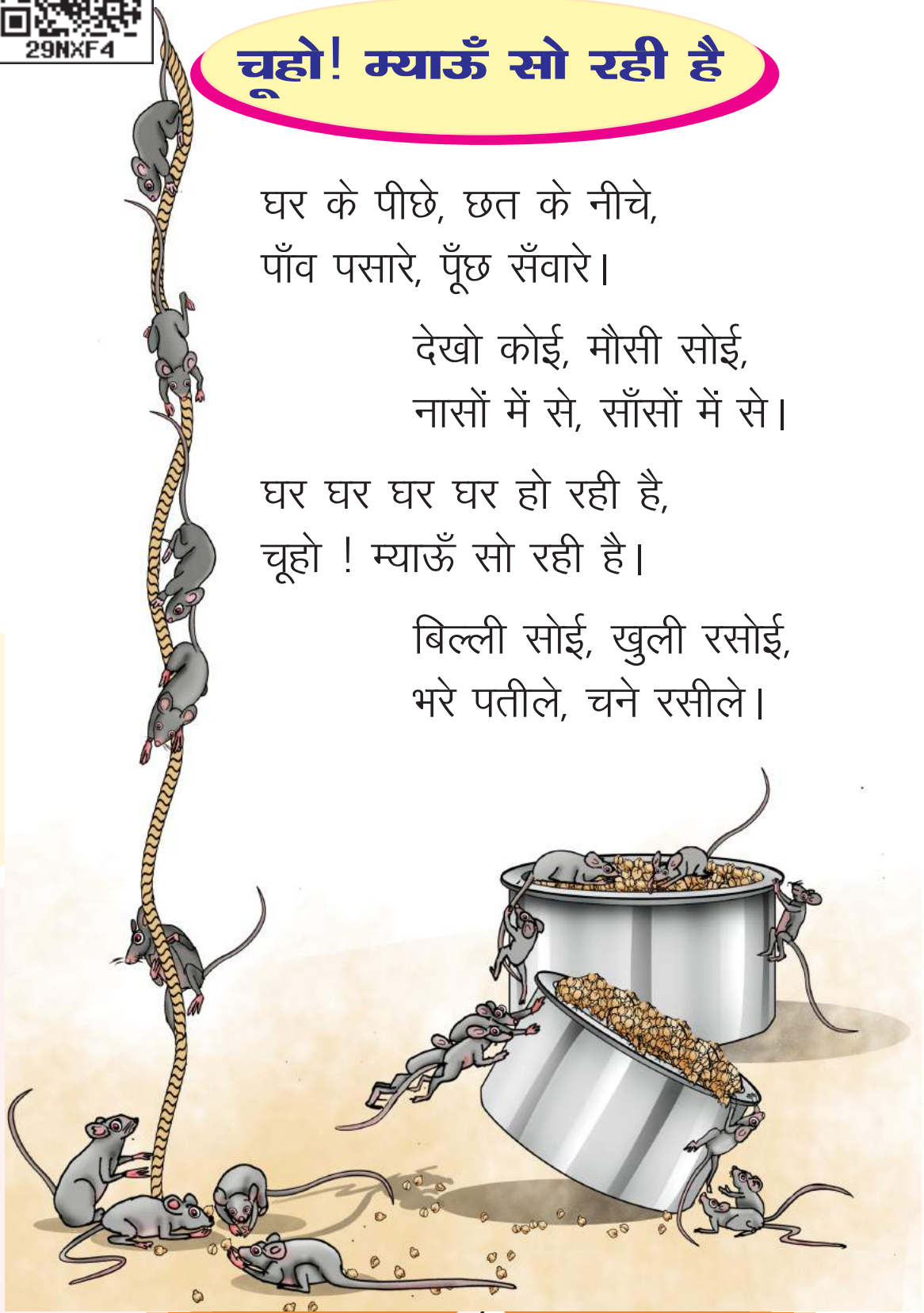

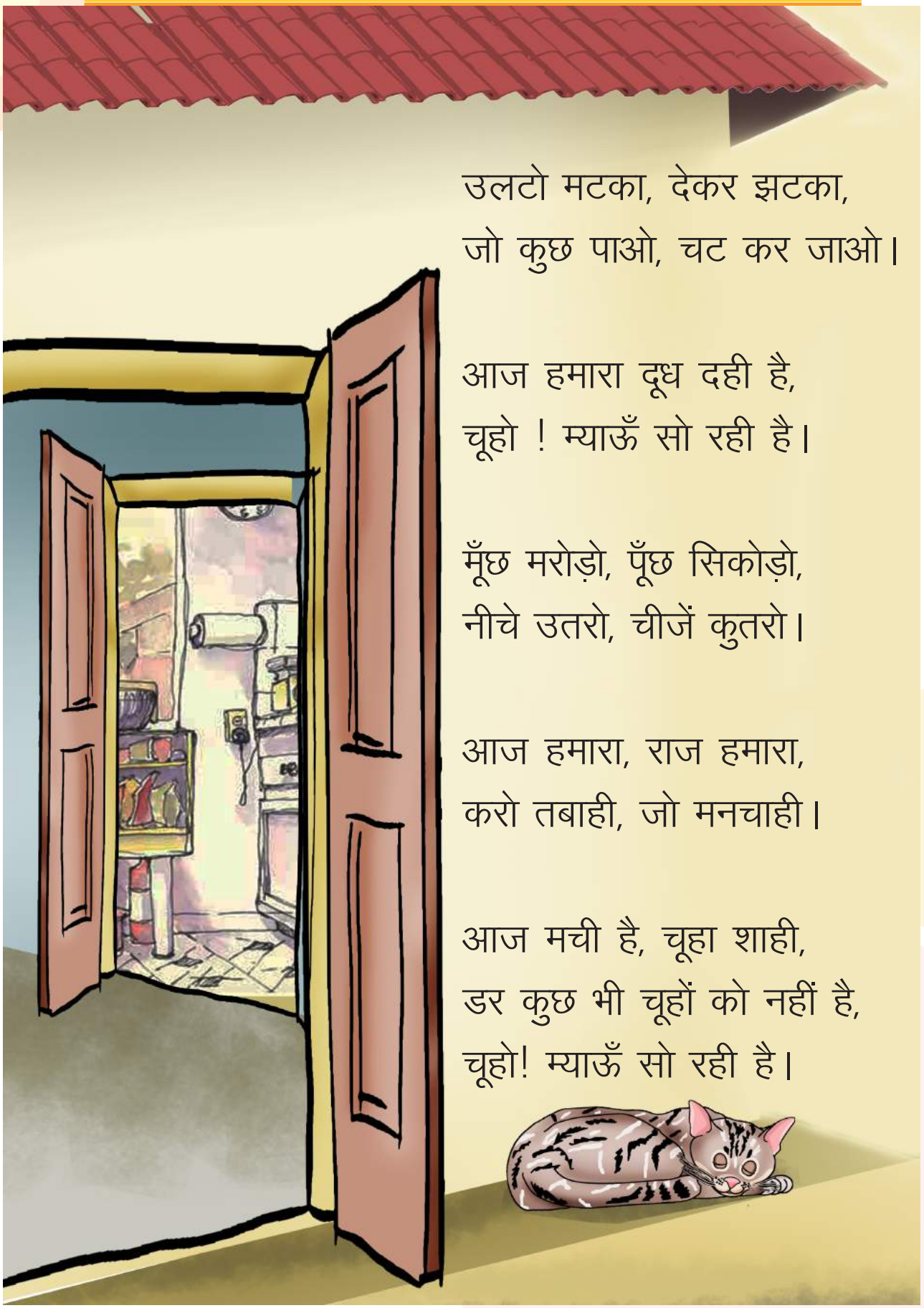

उलटो मटका, देकर झटका,
जो कुछ पाओ, चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो, चीजें कुतरो।

आज हमारा, राज हमारा,
करो तबाही, जो मनचाही।

आज मची है, चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

गतिविधि

1. पढ़ो –

घर के पीछे,
छत के नीचे

पाँव पसारे,
पूँछ सँवारे

भरे पतीले,
चने रसीले

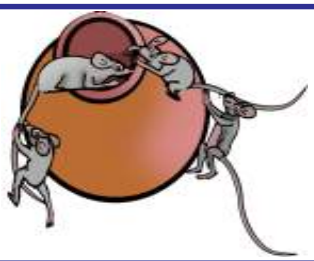

उलटा मटका,
देकर झटका

मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो

नीचे उतरो,
चीजें कुतरा

2. चलो, चूहा बनाओ

चलो, चूहा बनाएँ
तीन लिखो

1

मूँछ कान बनाओं

2

5

आँखें और पैर बनाओ

3

पूँछ बनाओ

4

29XTGR

3. तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

इस चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ–4

पगड़ी

2A7PIE

मैली पगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
फट गई पगड़ी।

हट्टी–कट्टी,
मोटी–तगड़ी,
मलकिन झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

सफाई– मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीजों को किससे साफ करोगे ?

1. कागज .....
2. बर्तन .....
3. पत्ते .....
4. जूते .....
5. दाँत .....

2AGKK2

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा ?

1. कागज .....
2. बर्तन .....
3. जूते .....
4. स्वेटर .....
5. फर्श ..... चमक जाएगा .....

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
शासकीय प्राथमिक पाठशाला

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें– यह स्कूल में किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे हैं? बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे हैं? चित्र में कितने बच्चे हैं और कितने बड़े हैं? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।

2AQGLP

पाठ–5

गमला

गमला फूलोंवाला लाओ,
अपना घर–आँगन महकाओ।

नल से पानी लेकर आओ,
पौधों की तुम प्यास बुझाओ।

मछली देखो, आओ–आओ,
रस्सी कूदो, नाचो, गाओ।

गतिविधि

1. बच्चो से बातचीत करें –

गमले कैसे कैसे –

मिट्टी का गमला

सीमेंट का गमला

प्लास्टिक का गमला

टायर का गमला

और कैसे–कैसे गमले तुमने देखे हैं, चित्र बनाओ –

2. पढ़ो –

गमला, मछली, नल, रस्सी

x

गमला

x e yk

e

मछली

e N yh

u

नल

u y

j

रस्सी

j L Lh

3. रेखा खींचकर– शब्दों को चित्रों से मिलाओ –

गमला नल

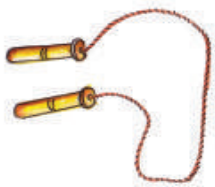

रस्सी

मछली

गमला

नल

मछली रस्सी

4. पहचानो और गोल घेरा लगाओ –

(ग)	(ग) ज	ज (ग)	म ग र	ग ग न	अ ल ग
(म)	म ग	ह म	म ग न	च म न	क ल म
(न)	न र	म न	अ म न	न म न	व ज न
(र)	र स	घ र	र ब र	श ह र	ग र म

5. खाली जगह पर 'न' लिखकर शब्दों को पढ़ो –

.....हर

.....ारियल

.....ल

.....ाक

.....क्शा

.....ाखून

.....ारंगी

.....ाव

6. मटके में क्या–क्या ?

चित्रों के बीचो–बीच एक मटका बना हुआ है। तुम इस मटके में क्या क्या रख सकते हो ? निशान लगाओ।

मटर

मकड़ी

मक्खी

भुट्टा

टेबल

मटका

मोजा

मग

मोर

मेंढ़क

कार

मछली

मगर

7. पढ़ो और समझो–

नरम है रोटी, दाल गरम,
नरम है भाजी, भात गरम।
नरम है भजिया,
चाय गरम,
खाओ सब कुछ,
नरम–गरम।।

8. चित्र देखकर पढ़ो और लिखो–

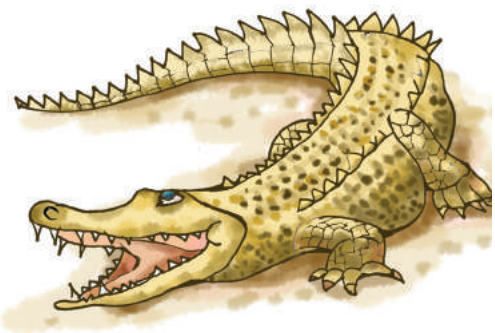

मग

_____

_____

मगर

_____

_____

9. पढ़ो और लिखो –

नग ——— ———

नगर ——— ———

नर ——— ———

नरम ——— ———

10. वर्णों को जोड़ों व पढ़ो –

2AZCNC

म + न = मन

न + म = नम

म + ग = मग

ग + म = ...

न + र = ...

म + र = ...

न म न = ...

ग ग न = ...

11. शब्दों से वर्णों को अलग करो –

मग

नर

मगर

2B98PZ

पाठ–6

अनार

नानी खाए लाल अनार,
चूसे आम पका रसदार।
लड़की गाती बढ़िया गाना,
रखे सरौता सुनते नाना।
मोनू का चल रहा जहाज,
कमल खिले हैं सुन्दर आज।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो –

अनार, आम, कमल, जहाज, सरौता, लड़की

अ

अनार

v | uk | j

आ

vk | e

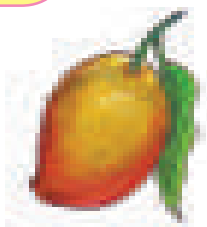

आम

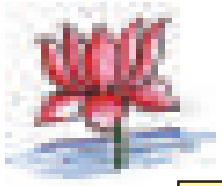

क

कमल

d | e | y

ज

जहाज

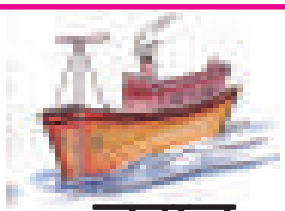

t | gk | t

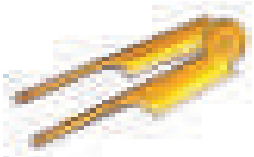

स

सरौता

l | jkS | rk

ल

लड़की

y | M+ | dh

स

सेब

ls | c

त

तरबूज

r | j | c | t

2. चित्रों को देखकर बोलो और उनकी पहली आवाज पहचानकर गोला लगाओ।

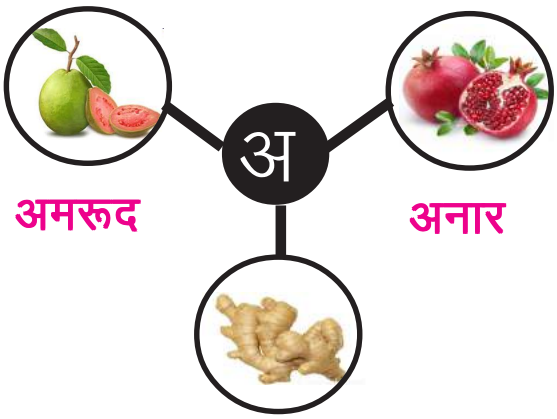

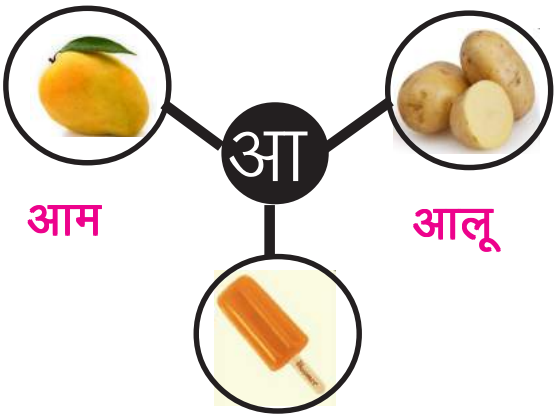

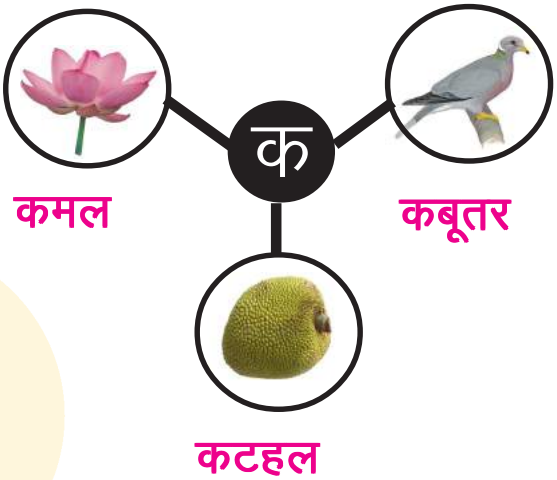

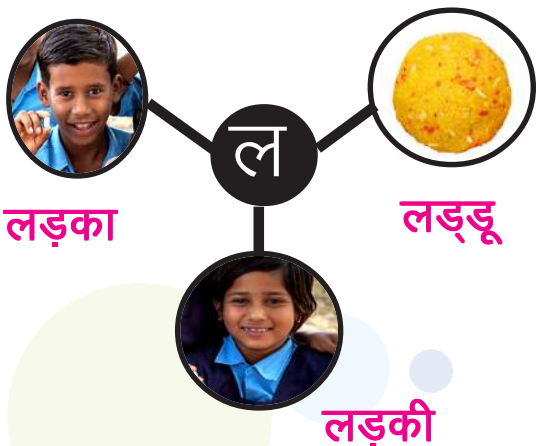

निर्देश :–शिक्षक बच्चों को इन वर्णों से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

3. दिये गये चित्रों को देखकर उनके नाम अपने भाषा में बोलो।

अमरूद

आम

अनार

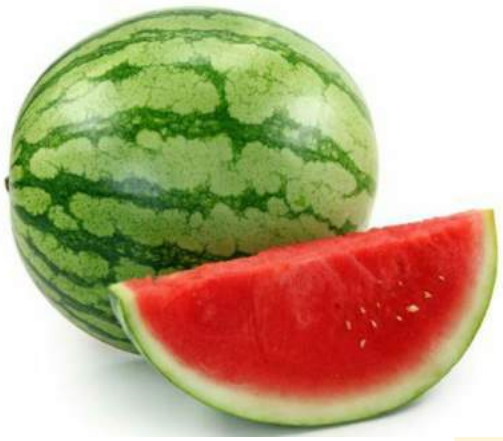

तरबूज

सेब

नारंगी

4. चित्रों से मिलान करो –

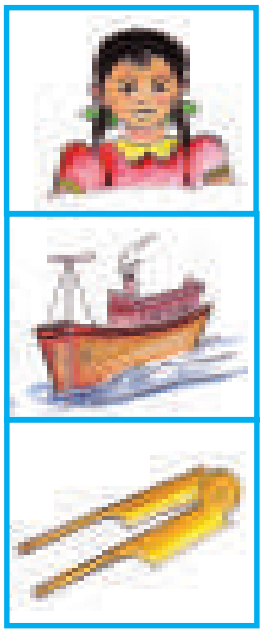

जहाज

आम

अनार

लड़की

सरौता

कमल

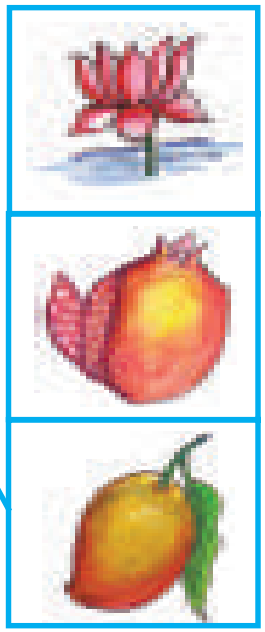

5. चूसकर खाने वाले फलों के चित्र पर गोला लगाओ।

6. तुक मिलाओ, आगे बढ़ो।

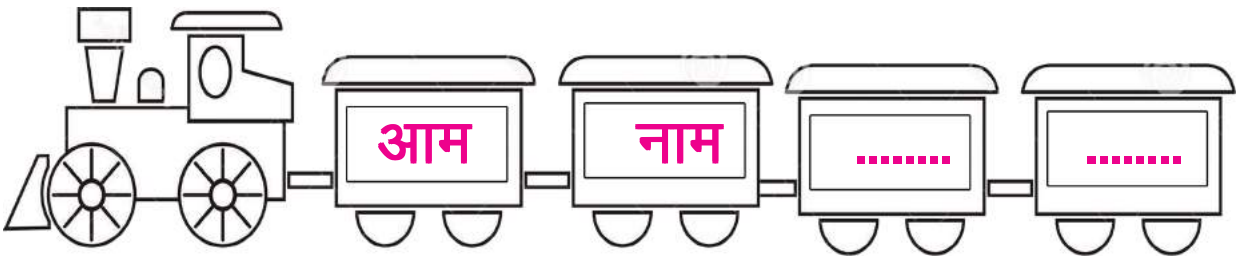

7. बिन्दु जोड़कर चित्र पूरा करो और रंग भरो–

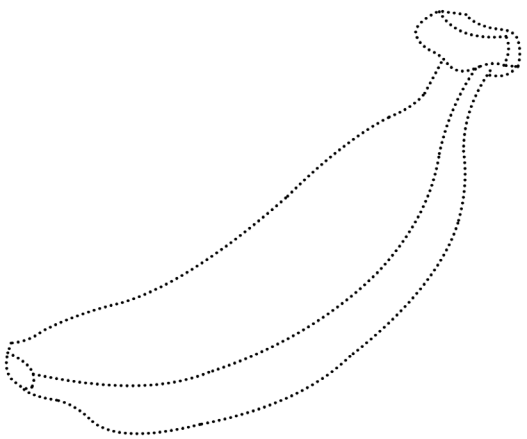

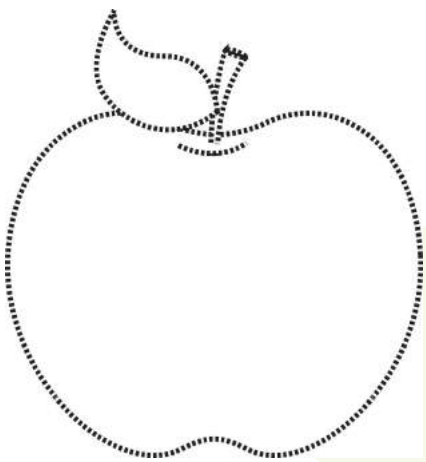

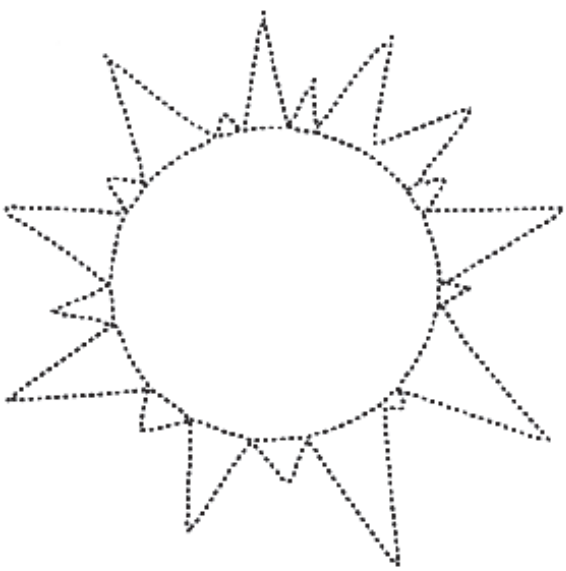

8. नीचे दी गई वस्तुओं को किस चीज से काटोगे, बताओ –

आलू

आम

कागज

नाखून

कपड़ा

धान

भिंडी

9 पढ़ो और बढ़ो – बिल्लस खेल

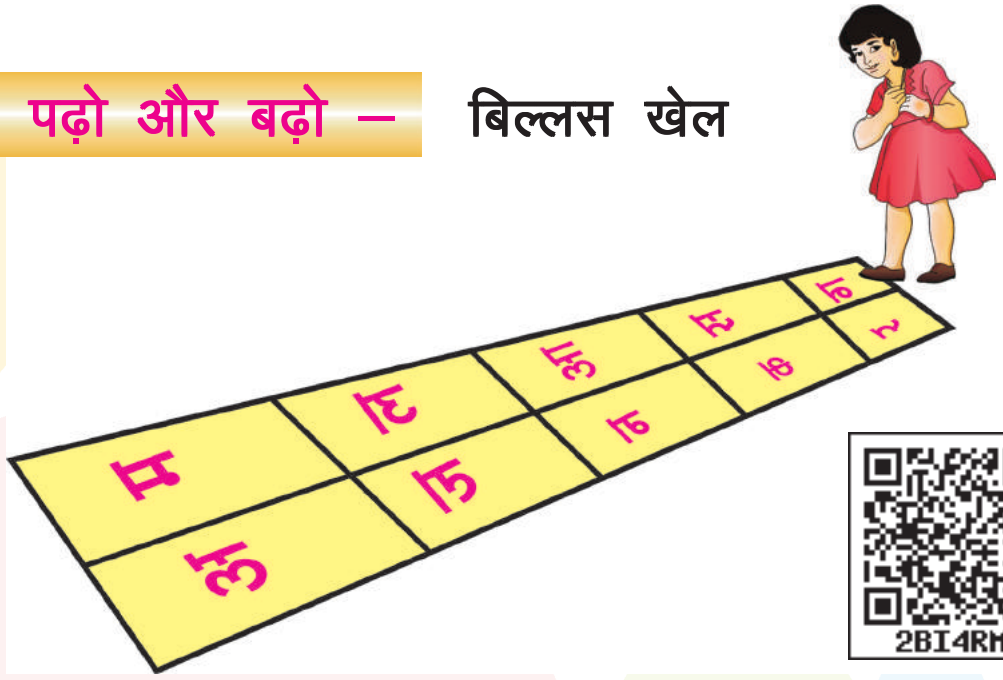

2BI4RM

निर्देश :–जमीन पर बिल्लस बनवाएँ और खिलवाएँ।

10. आम से संबंधित कविता/कहानी सुनाओ।

पाठ–7

राजा आ

2BRZTA

आजा आ राजा
मामा ला बाजा।
कर मामा ढम–ढम
नाच राजा छम–छम।।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो–

नल

u y

u

नाक

uk d

uk

कमल

d e y

कान

dk u

2. पहचानो और नाम लिखो –

dk ☐

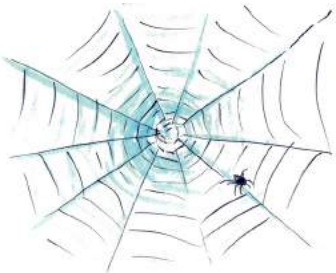

tk ☐

☐ x

3. पढ़ो –

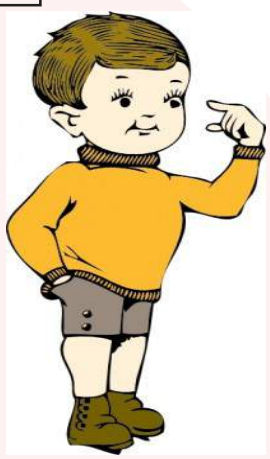

राजा आ।
काम कर।
मामा का काम कर।
आग जला।
जल गरम कर।
कल आराम करना।

नजमा आ।
अनार ला।
नाना का काम कर।
आम का रस ला।
गाना गा।

4. मिलाकर लिखो और पढ़ो –

आ म –	आम	आ ना –	आना
ना म	———	ना —	———
का म	———	ला —	———
रा —	———	गा —	———
जा —	———	जा —	———
का ला –	काला	ग ला –	गला
ला —	———	म —	———
जा —	———	ज —	———
ना —	———	क —	———
मा —	———	ल —	———

5. 'ा' की मात्रा जोड़कर लिखो पढ़ो –

कल –	काला	बल –	———
तल –	———	जल –	———

6. वर्ग में दिये गये वर्णो से शब्द बनाओ –

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

-------- -------- --------

-------- -------- --------

-------- -------- --------

2C1VUX

पाठ–8

इमली–ईख

2CARHK

खट्टी इमली मीठी ईख
चरती बकरी वन के बीच।
चलो पपीता खाएँ हम,
तबला खूब बजाएँ हम।।

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें –

1. कुछ खट्टी चीजों के नाम बताओ।
2. कुछ मीठी चीजों के नाम बताओ।
3. तुम्हें कौन–कौन से फल पसंद हैं ?

2. पढ़ो– इमली, ईख, पपीता, वन, बकरी, तबला

b

इमली

b e yh

bZ

bZ [k

ईख

i

पपीता

i ih rk

o

o u

वन

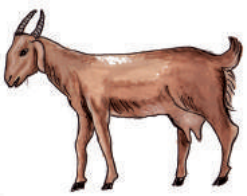

c

बकरी

c d jh

r

तबला

r c yk

3. अभिनय करो –

– तबला बजाने का।

– बकरी की आवाज का।

– बस चलाने का।

– ऐनक पहनने का।

– इमली खाने का।

4. चित्रों से शब्दों का मिलान करो –

बकरी

पपीता

तबला

वन

इमली

ईख

5. ऐसे शब्द बताओ जिसमें प,व,ब,त की आवाज हो –

6. छूटे हुए वर्णो को लिखो –

.....u

.....ihrk

.....[k

.....djh

.....eyh

.....cyk

7. इन चीजों को बजाकर देखो कैसी आवाजें आएगी, बताओ।

Vcy] f[kMdh] njokt k] ?k.Vh] rkyh] pVdh

8. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

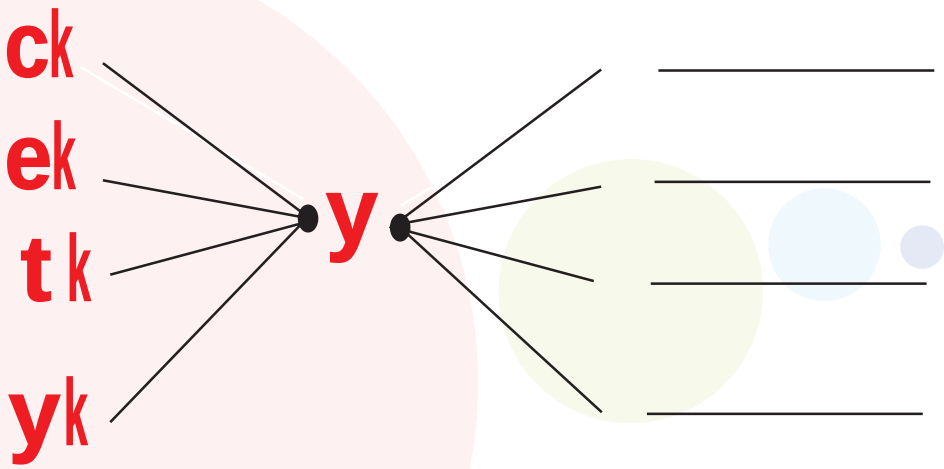

9. इन चीजों को खाने से तुम्हें कैसा लगेगा –

चीजें	खट्टा	मीठा
t ych		
l c		
uhc		
d yk		
vke		
bey h		

10. अपने मनपसंद फल का चित्र बनाकर रंग भरो–

11. तुक मिलाओ आगे बढ़ाओ –

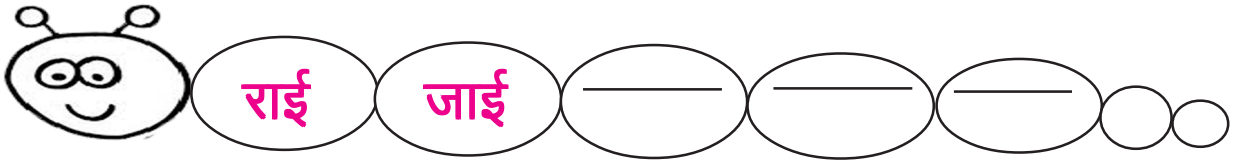

12. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ –

2CJHY8

आ	ज	प
ल	म	ई
ब	स	क
न	ग	र

....

....

....

पाठ–9

तितली

2CTIZV

रंग–बिरंगी प्यारी तितली,
सबके मन को भाती है।
बैठ फूल पर जब रस लेती,
सबका मन ललचाती है।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

'ि' की मात्रा –

तबला

r c yk

r

तितली

fr r yh

fr

कप

d i

d

किताब

fd rk c

fd

'ी' की मात्रा –

बस

c l

c

बीन

ch u

ch

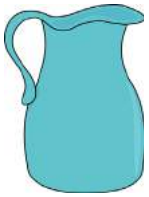

जग

t x

t

जीभ

t h Hk

t h

2. आओ शब्द बनाएँ –

गा	कि	ता	ब	जा
पा	मा	र	क	ल
न	ला	न	पी	नि
ति	आ	बा	क	प
अ	जी	भ	व	न

_____

_____

_____

_____

_____

_____

3. पढ़ो और समझो –

किरन जा। नल का पानी ला।
मग से पानी निकाल।
विमल गिलास ला।
पानी पिला।

नानी आ, पानी पी,
अब काम मत कर।

बस आराम कर।
रागिनी अब गाना गा।
कपिल तबला बजा।

4. आओ, शब्द बनाएँ–

ग							
ला		टे	न				
			क	म			
					ड़		
					का		ज
							हा

203F2I

5. किरण ने मग से पानी निकाला। तुम इन चीजों से क्या करते हो?

____
____
____

____
____
____

____
____
____

____
____
____

____
____
____

पाठ–10

उल्लू–आया

उल्लू आया, उल्लू आया।
एक ऊन का गोला लाया।

चरखा बोला, चूँ–चूँ–चूँ।
खरगोश बोला, कूँ–कूँ–कूँ।

देखो रंग से भरी दवात,
है किसान भी हल के साथ।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

m

उल्लू

m Y y

Å

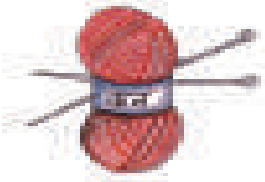

Å u

ऊन

दवात

n

n ok r

q

हल

g y

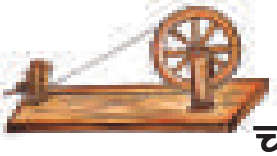

चरखा

p

p j [kk

[k

खरगोश

[k j xk 'k

2. वर्णों को चित्रों से मिलाओ–

उ

द

च

ऊ

ख

ह

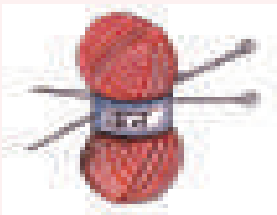

3. रेखा खींचकर वर्णों को शब्दों से मिलाओ –

उल्लू	ख
ऊन	ऊ
चरखा	द
खरगोश	ह
दवात	च
हल	उ

4. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्द बनाओं–

उ	द	वा	त
ल्लू	च	र	खा
ख	र	गो	श
ऊ	न	ह	ल

5. बताओ, ये चीजें कैसी आवाजें करती हैं?

चीजों के नाम	आवाज
घंटी के बजनें की आवाज	टन–टन
मोटर के हार्न की आवाज	
टेबल खींचने की आवाज	
पंखे के चलने की आवाज	
दरवाजा बंद करने की आवाज	

6. बताओ, हम कौन हैं?

बिंदुओं को पूरा कर रंग भरो और बताओ हम कौन है?

2DL75T

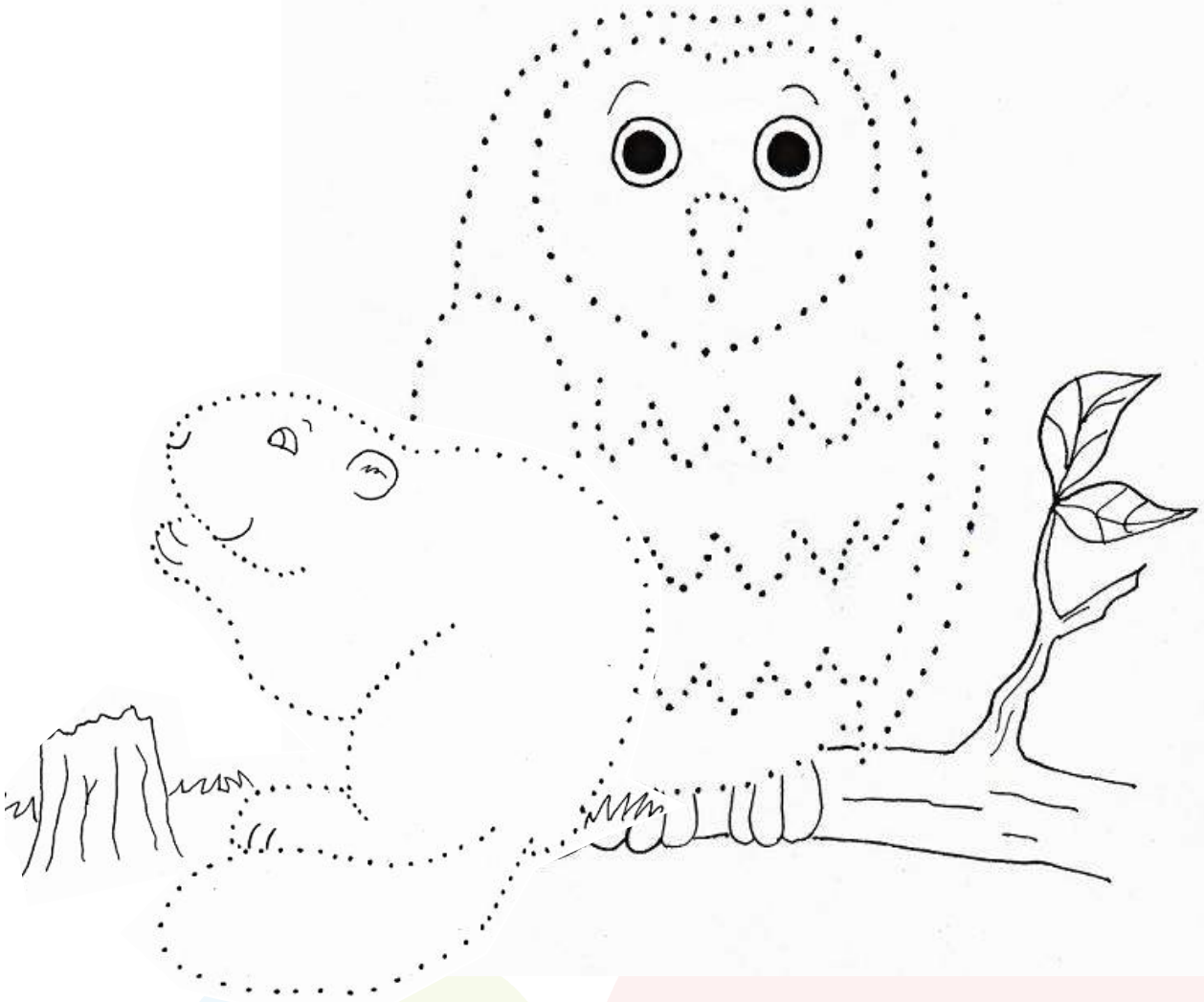

2DV37G

पाठ–11

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूजे थे।

एक का नाम लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीजें खाता था।

पीलू पीली चीजें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल–लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी !

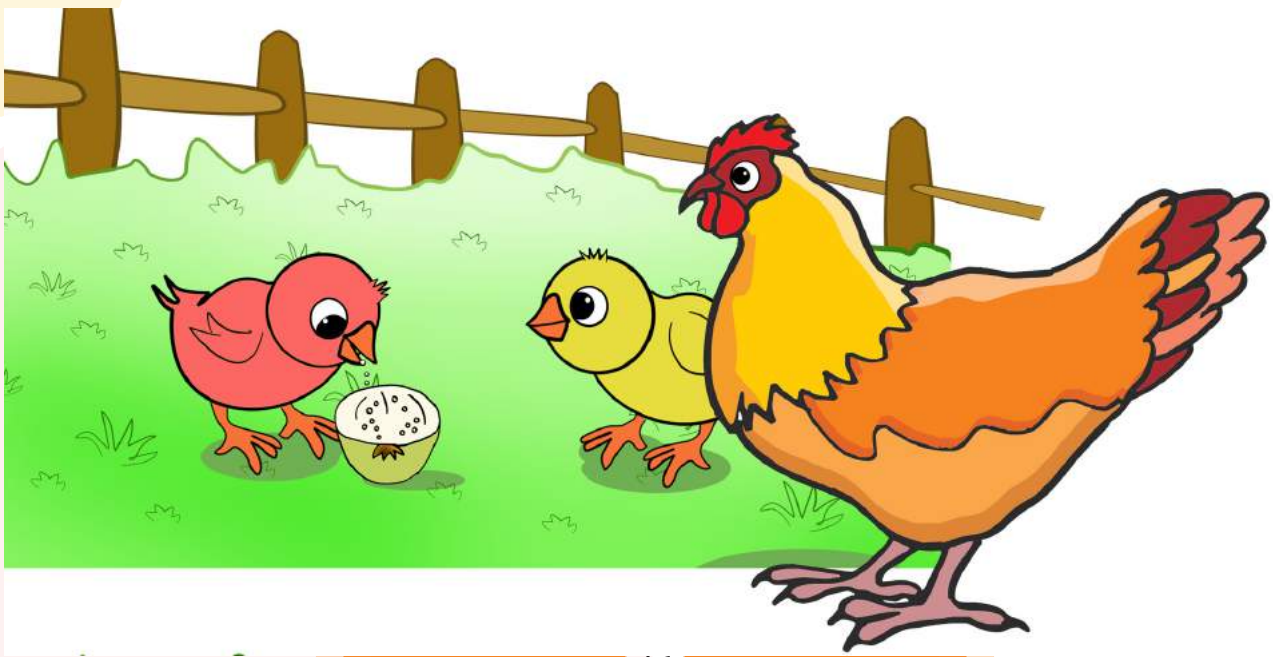

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।

मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले–पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

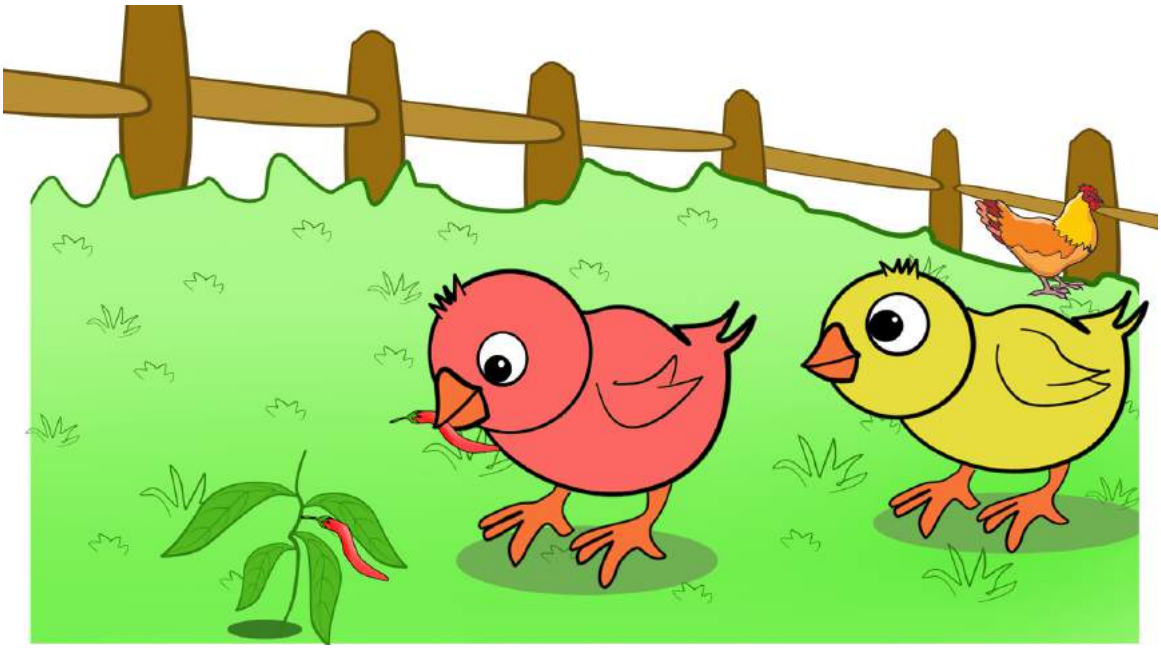

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

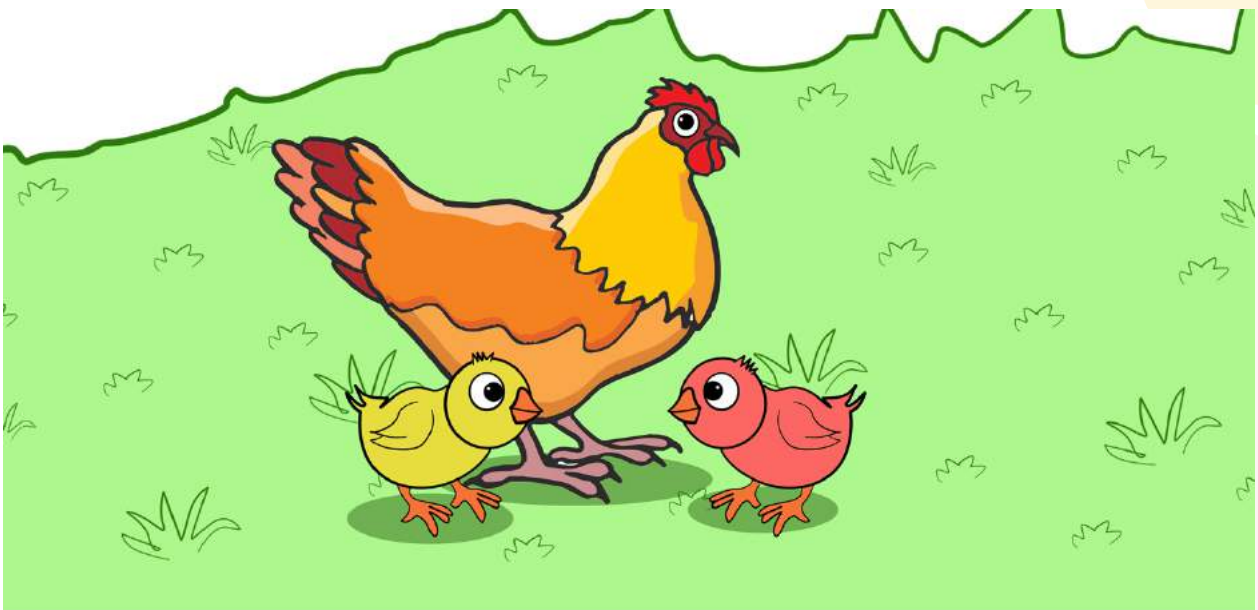

गतिविधि

1. क्या होता ?

1. अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग–अलग होते ?

.....

2. फिर वे क्या–क्या खाते ?

....

....

....

....

3. लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या–क्या खाने–पीने से जलती है ?

....

....

4. जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?

.....

.....

.....